only4lovegirlsme@yahoo.com,induinder@gmail.com

# मीनू भाभी की चुदाई.

———————————

मीनू भाभी मेरे पड़ोसी की पत्नी है. उमर करीब ३५ साल होगी. बड़ी मादक और चुदैल किस्म की औरत है. मेरी नयी नयी शादी हुई थी फिर भी उसे चोदने के लिये मैं कब से आतुर था. आखिर एक दिन उसे अपने पति के शहर पहुंचाने के बहाने मुझे मौका मिल ही गया. रात की बस में मैंने दो सीट बुक करवा लीं.

करीब एक घंटे के सफ़र के बाद उसे नींद आने लगी और वह मेरे कन्धे पर सिर रख कर सो गयी. मेरा लंड खड़ा होने लगा. मौका देख कर मैंने उसके स्तन ब्लाउज़ के ऊपर से हल्के हल्के दबाने शुरू कर दिये. जब वह चुप रही और सोने का नाटक करती रही तो मैंने ब्लाउज़ के अन्दर हाथ डाल कर उसकी ब्रा के ऊपर से उसके मम्मे जोर जोर से मसलने शुरू कर दिये.

मीनू भाभी ने आंखें खोलीं और बोली "इतने जोर से मत दबाइये, बहुत दुखता है". हंस कर मैंने उसके मीठे होंठों का चुंबन लिया और अपना हाथ उसके गुप्तांग पर रख कर सहलाने लगा. उसने अपना हाथ मेरी जांघों के बीच मेरे लंड पर रखा और दबाने लगी. मैंने उसकी साड़ी उठा कर उसकी चूत में उंगली करनी चही तो वह चहक उठी "ऐसे नहीं, कोई देख लेगा".

फ़िर उसने बैग से बेडशीट निकाली और ओढ़ ली. मैंने हाथ बेडशीट के नीचे से उसके ब्लाउज़ में डाल दिया और उसके नरम मांसल स्तन सहलाने और दबाने लगा. उसने मेरे कान में कहा "ब्लाउज़ और ब्रा का हुक खोल कर ठीक से मलो, ज्यादा मजा आयेगा"

मैने उसके ब्लाउज़ के हुक खोले और फ़िर उसकी टाइट ब्रा खोल डाली. उसके मांसल स्तन उछल कर मेरे हाथों में आ गये. मैंने हाथ अच्छे से अन्दर डाल कर जोर जोर से उसकी चूचियां मसलनी शुरू कर दीं. जब उसके निपल उंगलियों के बीच लेकर मैंने कुचलना चालू किया तो वासना से वह हल्के हल्के सीत्कारने लगी. उसके निपल भी मूंगफ़ली जैसे कड़े हो गये थे. उसने मेरे पैन्ट पर हाथ रखकर उसकी ज़िप खोली और मेरा खड़ा लंड बाहर निकाल लिया. फ़िर झुक कर उसने मेरा लंड अपने मुंह में ले लिया और चूसने लगी. उसने प्यार से आधा घन्टे तक मेरा लंड चूसा और मैं उसके मुंह में ही झड़ गया.

हम इसी तरह रात भर मजा करते रहे. जब सुबह चार बजे हमारा शहर आ गया तो मैंने उससे पूछा, "मीनू भाभी किसी लॉज में चलते हैं, थोड़ा आराम करने के बाद अपने पति के पास चली जाना".

वह तुरन्त मान गयी. हमने होटल में एक कमरा किराये पर लिया. वह अन्दर जाकर बाथरूम में घुस गयी और दरवाजा लगा लिया पर मैं जबर्दस्ती दरवाजा खोल कर अन्दर घुस गया.

वह झल्ला कर बोली "क्या है, मुझे पेशाब करना है, बाहर जाओ"

मैंने कहा "नहीं डार्लिंग, तुम आराम से मूतो, मैं तुम्हें मूतते हुए देखना चाहता हूं".

उसने अपनी साड़ी उठायी और मेरे सामने मूतना शुरू कर दिया. उसकी घनी झांटों वाली बुर के छेद में से निकलते हुए मूत को देखकर मेरा बुरी तरह से खड़ा हो गया. उसका मूतना खतम होते ही मैंने उसे अपनी बांहों में उठाया और पलंग पर ला कर पटक दिया.

फ़िर मैंने उसकी साड़ी, ब्लाउज़ और ब्रा खींच कर उतार दी. उसने चड्डी नहीं पहनी थी इसलिये अब वह मादरजात नंगी थी. मैं उसके मम्मे और फूली हुई बुर दबाने लगा.

"पहले अपने कपड़े तो उतार दो", मीनू भाभी बोली. मैंने अपने कपड़े उतार दिये और उस के शरीर पर ६९ के आसन में लेट गया. मेरा लंड मैंने उसके मुंह में दे दिया और खुद अपना मुंह उसकी रिसती चूत पर रख डिया.

उसकी बुर के मोटे मोटे पपोटे मैंने अपनी उंगली से फैलाये और उसकी चूत के गीले गुलाबी छेद में अपनी जीभ डाल कर चाटने लगा. वह भी मेरा लंड मुंह में लेकर कैंडी की तरह चूस रही थी. थोड़ी ही देर में हम दोनों बुरी तरह से उत्तेजित हो गये. उसने मुझे अब जल्दी से चुदाई शुरू करने को कहा.

मैं उसकी फैली हुई गोरी गोरी जांघों के बीच बैठ गया और अपना फूला हुआ सुपाड़ा उसकी बुर के मुंह पर रखकर एक जोर का धक्का दिया.

"एक बार में इतने जोर से पेलोगे तो मेरी बुर फट जयेगी, जरा प्यार से धीरे धीरे चोदो, मैं कोई भाग थोड़े ही रही हूं!". वह कराह कर बोली.

"मीनू डार्लिंग मैं तुम्हें चोदने का सपना बहुत दिनों से देख रहा था लेकिन डरता था की कहीं तुम नाराज ना हो जाओ." मैंने चोदना शुरू करते हुए कहा.

मीनू ने कहा "नहीं ऐसी बात नहीं है मैं तो खुद तुम से चुदवाने को बहुत व्याकुल रहती हूं. तुम्हारी बीवी ने बताया था की तुम लगातार घन्टों तक बुर में लंड डाल कर हिलाते रहते हो. तुम्हारे एक बार झड़ने तक वो चार पांच बार झड़ जाती है. मेरा पति तो चुदाई के मामले में बीमार है, बुर में लौड़ा डाला नही कि झड़ गया. मैं

तो तड़पती रह जाती हूं. तुम्हारी बीवी बड़ी भाग्यशाली है कि उसे तुम जैसा चुदक्कड़ पति मिला. आज मेरी बुर की प्यास पूरी तरह मिटा दो."

मै अपना लौड़ा मुठियाता हुआ बोला "घबराओ नहीं आज तो मैं तुम्हारी बुर का वो हाल बनाउंगा कि तुम जिंदगी भर मुझे याद रखोगी."

"हाय. बातें मत बनाओ.. अब जरा जोर जोर से मेरी बुर को चोदो. हाय घुमेड़ो अपना लंड पूरे जोर से."

मैंने उसे चोदने की गति बढ़ा दी और मेरा लंड उसकी गीली चूत में पिस्टन जैसा अन्दर बाहर होने लगा. "हां ऽ ऽ.. और .. जोर से ऽ ऽ..ए..ए.ए.ए.ए..ए धक्के मारो. मैं जा रऽ ऽ ऽ .ही..ऽ ऽ हूं. हाय मेरे राजा आज मेरी बुर की गर्मी उतार दो. मैं बहुत दिनों से प्यासी हूं." मैं मीनू भाभी को पूरे जोर से चोद रहा था पर उसकी चुदासी बढ़ती ही जा रही थी.

"हां.. और जोर से चोदो. मेरी बुर फाड़ डालो. चोदो और चोदो, चोदते रहो, हाय हुंको ना, और कस के पेलो अपना लंड, हां..आं ..आं पूरा लंड डाल कर चोदो. हाय मैं गयी ऽ .ई.. ई..ए.ए.ए."और वह झड़ कर लस्त हो गयी और अपने चूतड़ हिलाना बन्द कर दिया.

मैं अभी भी मस्ती में उसे चोद रहा था. उसकी टांगें उठा कर मैंने अपने कन्धों पर रख लीं और अपना लंड उसकी चूत में घुसाया पर वह बार बार फ़िसल कर बाहर आ जाता, बुर झड़ कर इतनी ज्यादा गीली हो चुकी थी.

मैंने अब सोचा कि मौका है तो उसकी गांड मार लूं. मैंने लंड उसके गुदा पर रखा और जोर से दबाकर पेला. मेरा तन्नाया लंड जैसे ही उसकी सकरी गांड के अन्दर गया, वह चिल्ला उठी. "हाय गांड में मत ठूंसो, बहुत दुख रहा है."

"अरे मीनू भाभी, प्लीज़ एक बार जी भर के अपना गांड मार लेने दो."

मै चकराया "क्या तुम लोग ऐसी बातें करती हो?"

"हां हम लोग और भी बहुत कुछ करते हैं." वह शैतानी से आंखें नचाती हुई बोली.

"अच्छा पहले गांड मारने दो फिर बातें करना." और मैंनें पूरे जोर से हचक हचक कर मीनू की गांड मारना चालू कर दिया. पन्द्रह मिनट गांड मारने के बाद आखिर मैं मस्त होकर झड़ गया और वीर्य का फुहारा उसकी गांड में छोड़ दिया.

only4lovegirlsme@yahoo.com,induinder@gmail.com